

### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

₹7° 219]

नई विल्ली, मंगलबार, मई 24 1977/ज्येष्ठ 3, 1899

No. 219]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 24, 1977/JYAISTHA 3, 1899

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सजे ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May 1977

\$.0. 369(E).—In exercise of the powers conferred by cause (b) of section 78, read with sub-section (2) of section 116 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No SO 2322, dated the 29th June, 1968, namely—

In the Table below the said notification, against serial No. 2, in column (3), for the letters and figures "Rs 50,000/-" the letters and figures "Rs. 1,00,000/-" shall be substituted

[No 2/77-F 131/4/77-CC. II]

M. A. RANGASWAMY, Addl Secy.

(1995)

## राजस्य घौर बेंकिंग विभाग

# श्रधिसूचना

# नई दिल्ली, 24 मई, 1977

का भा 369(भा) — केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंद्रण) श्रिष्ठिनयम, 1968 (1968 के 45) की धारा 116 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 78 के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार, वित्त मनालय के राजस्व श्रीर बीमा विभाग की श्रिष्ठसूचना मख्या का श्रा 2322 तारीख 29 जून, 1968 में निम्नलिखिन संगोधन करनी है, शर्थान —

उक्त अधिसूचना के नीचे की सारणी मे क्रम संख्या 2 के सामने स्तम्भ 3 में "50,000 रु." अक्षरो श्रीर श्रंको के स्थान पर "1,00,000 रु." अक्षर श्रीर श्रंक रखे जाऐगे।

[सं० 2 77-एक 131 4 77-रीसी II]

एम० ए रंगास्वमी, भ्रपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टां रांड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा नियत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977